आइआइएम रायपुर में ई-एमबीए की पढ़ाई दिसंबर से

नईदुनिया विशेष

पंकज दुबे ● रायपुर

नवा रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) में ई-एमबीए पाठ्यक्रम में इस साल दिसंबर से पढ़ाई शुरू हो जाएगी। संस्थान में दो वर्षीय आनलाइन एमबीए कोर्स के लिए अभ्यार्थियों के आवेदन मंगाए जा रहे हैं। हाइब्रिड मोड के नाम से शुरू हो रहे ई-एमबीए पाठ्यक्रम के लिए देशभर से आवेदन भी आ रहे हैं।

एक नजर

- **ई-एमबीए पाठ्यक्रम शुरू करने वाला एकमात्र आइआइएम रायपुर**
- **अब तक लगभग 665 आवेदन मिल चुके हैं देशभर से**

आइआइएम रायपुर के डायरेक्टर प्रो. भरत भास्कर ने बताया कि कोर्स का डिजाइन मार्च में पूरा कर लिया गया था, लेकिन कोरोना की वजह से शुरू नहीं हो पाया। नई तैयारी के साथ पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर रखी गई है। अब तक लगभग 665 आवेदन मिले हैं। ई-एमबीए पाठ्यक्रम शुरू करने वाला आइआइएम रायपुर देश का पहला और एकमात्र संस्थान है। देश में संचालित अन्य आइआइएम में नियमित एमबीए पाठ्यक्रम चल रहे हैं।

180 सीटों पर होगा दाखिला : दो वर्षीय ई-एमबीए पाठ्यक्रम में कुल 180 सीट हैं। इसमें दाखिला उन्हीं को मिलेगा जो स्नातक और दो वर्ष की नौकरी कर चुके हैं। दो वर्ष के पाठ्यक्रम की कुल फीस नौ लाख रुपये है। आवेदन की अंतिम तिथि के बाद सभी आवेदकों का एक टेस्ट और साक्षात्कार होगा। इसमें प्रदर्शन के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार कर दाखिला दिया जाएगा।

ई-पाठ्यक्रम को लेकर रुझान अधिक

आइआइएम रायपुर के डायरेक्टर प्रो. भरत भास्कर ने बताया कि ई-पाठ्यक्रम को लेकर अभ्यार्थियों में रुझान दिख रहा है। क्योंकि पाठ्यक्रम के अंतर्गत अभ्यार्थियों को संस्थान में आने की जरूरत नहीं होगी। इसके बदले संबंधित छात्र कार्यालय, घर में कंप्यूटर के माध्यम से पूरी पढ़ाई कर सकते हैं। पाठ्यक्रम को तैयार करने के दौरान नियमित एमबीए के पाठ्यक्रम का अध्ययन कर ही साफ्टवेयर तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम खासकर नौकरी कर रहे या करियर में ग्रोथ चाहने वालों के लिए महत्वपूर्ण है।

करियर में ग्रोथ के लिहाज से ई-एमबीए पाठ्यक्रम छात्रों के लिए काफी बेहतर कोर्स है। सामान्य एमबीए की तुलना में इसकी फीस कम होने के साथ आनलाइन पढ़ाई करने की सुविधा दी जा रही है।

-प्रो.भरत भास्कर, डायरेक्टर, आइआइएम रायपुर

Naidunia, 19th Nov. 2020,p. 2